आंध्र प्रदेश सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन है) आंध्र प्रदेश राज्य में 65 खानें चला रही है।

(ख) कोल इंडिया लि./सिं. को. कं. लि. में दिनांक 31-12-1992 की स्थिति के अनुसार कुल श्रमशक्ति नीचे दी गई है :

कोल इंडिया लि.	6,67,704
सिं. को. कं. लि.	1,15,226

(ग) कोल इंडिया लि. की खानों तथा सिं. को. कं. लि. की खानों से पिछले पांच वर्षों के दौरान वर्षवार प्राप्त हुए कोयले के उत्पादन का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(मिलियन टन में)

वर्ष	को.इं.लि.	सिं.को.कं.लि.
1988-89	171.50	18.61
1989-90	178.62	17.80
1990-91	189.64	17.71
1991-92	204.14	20.58
1992-93	211.19	22.51

Loss in commercial Trade due to Ayodhya Incident

*120. SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV :

SHRI V. NASA YANASAMY : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) what is the total loss of commercial trade in India from the 6th December, 1992 to 30th January, 1993 after the Ayodhya incident;

(b) what is the total loss in Bombay city after the incident of 6th December, 1992 and from 6th to 9th January, 1993;

(c) what is the expected revenue loss to the country due to these happenings; and

(d) what precautionary measures have been taken thereafter to check such losses?

THE MINISTER OF COMMERCE .(SHRI PRANAB MUKHERJEE) : (a) and (b) Although it is difficult to quantify the effects of disturbances after the Aydcthya incident, these have adversely) affected commercial trade.

(c) It would not be possible to quantify the revenue loss due to the disturbances in the country, after the Ayodhya incident.

(d) All possible measures are being taken to check recurrence of such incidents.

राशन के दुकानों की सुविधा प्राप्त करने वाली आबादी

601. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीर अफजल :** क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में राज्य-वार राशन की दुकानों की संख्या कितनी-कितनी है; और

(ख) देश की कुल आबादी के कितने प्रतिशत जनता को इन दुकानों से राशन की आपूर्ति की जाती है ?

नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री और वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री कमालुद्दीन अहमद) (क) देश में 31-3-1992 को राशन की दुकानों की संख्या अनुपत्र में दी गई है [देखिए परिशिष्ट 167, अनुपत्र संख्या 12]

(ख) केन्द्रीय सरकार की दृष्टि से सार्वजनिक वितरण प्रणाली का स्वरूप सर्वव्यापी है । राशन कार्ड जारी करना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के